प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

एआईसीआरपी परियोजना के प्रयास से गेठिया एवं बेलुवाखान गांवों में कस्टम हायरिंग केन्द्रों का शुभारंभ

पंतनगर। 30 अक्टूबर 2025। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर वीमेन इन एग्रीकल्चर, भुबनेश्वर की निदेशक डा. मृदुला देवी द्वारा दिनांक 24 अक्टूबर 2025 को भीमताल ब्लॉक के ग्राम गठिया एवं बेलुवाखान में कस्टम हायरिंग केंद्रों का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम आईसीएआर–सीवा एवं एआईसीआरपी (पंतनगर) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर दोनों गाँव की ग्राम प्रधान व समूह की सक्रिय सदस्याएं रजनी देवी, आनंदी देवी, विनीता बोरा, मधु देवी आदि ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और कार्यक्रम के संचालन में बढ़–चढ़ के सहयोग किया। कस्टम हायरिंग सेंटरों में ऑटोमैटिक सिलाई मशीने रखी गई हैं, जिससे ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर मिल सकें। डा. मृदुला देवी ने अपने संबोधन में कहा कि कस्टम हायरिंग सेंटर की मदद से ग्रामीण महिलाओं साथ मिलकर कार्य करेंगी और यह उन्हें आर्थक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा व इससे महिलाएं अपने परिवार के लिए अतिरिक्त आय भी प्राप्त करेंगी। इस तरह से वे देश के प्रगति में भी हिस्सेदार बनेगीं ।

कार्यक्रम के दौरान गेठिया गांव में एआईसीआरपी–कृषि में महिलाएँ (पंतनगर) द्वारा स्थापित रिसोर्स सेंटर का भी अवलोकन किया गया। उन्होंने रिसोर्स सेंटर में उपलब्ध संसाधनों और गतिविधियों की सराहना की तथा इसे ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक उत्कृष्ट पहल बताया। यहाँ रखे गए उपकरण महिलाओं के पारंपरिक, श्रम–गहन कार्यों को आसान बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम में एकरिप परियोजना समन्वयक डा. मनीषा गहलौत व वैज्ञानिक डा. सीमा क्वात्रा, डा. अनिल कुमार एवं उनकी अनुसंधान टीम भी उपस्थित रही।

कस्टम हायरिंग सेंटरों में ऑटोमैटिक सिलाई मशीन का अवलोकन करती निदेशक डा. मृदुला देवी।

कस्टम हायरिंग सेंटरों में सिलाई मशीन के साथ महिलाएं।

निदेशक संचार